वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-252 सागवाड़ा,रविवार,29 मई, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

इस बार उम्मीद थी कि दिनेश खोड़निया राज्य सभा भेजा जाएंगे

विधायक घोघरा के विरोध ने खोड़निया को राज्य सभा की रेस से बाहर किया

सागवाड़ा। इस बार काफी उम्मीद थी कि डूंगरपुर कांग्रेस के कद्दावर नेता दिनेश खोड़निया राज्य सभा के लिये उम्मीदवार बनाए जाएंगे? । लगभग तय भी माना जा रहा था लेकिन डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा के विरोध ने उन्हें रेस से बाहर कर दिया। घोघरा विरोध का कदम नहीं उठाते तो राज्यसभा के लिये खोड़निया नाम लगभग तय था। सीएम के करीबी होने और हाल ही में पाटीदार समाज के कार्यक्रम में सीएम की सभा और बेणेश्वर में राहुल गांधी की सभा कराकर वे आलाकमान तक अपने हुनर का लोहा मनवा चुके थे। इसी बीच उनके ही गुट के माने जाने वाले डूंगरपुर विधायक ने खोड़निया पर जिस तरह से आरोप लगाए उससे सभी कांग्रेसी हैरान थे। हालांकि राजनीतिक जानकार बताते हैं कि इस बार खोड़निया के पक्ष में इतने आदिवासी नेताओं का समर्थन नहीं था जितना पिछली बार था। हालांकि एक बात ये भी बताई जा रही है कि सीएम अशोक गहलोत भी ये चाहते थे कि तीनों नाम दिल्ली से आए जिससे की राजस्थान कांग्रेस में मनमुटाव की स्थिति नहीं बने। हालांकि कि राजस्थान से नेताओं को राज्यसभा भेजा जाता तो इसका फायदा कांग्रेस को होता। इधर, दिनेश खोड़निया को राज्यसभा का उम्मीदवार नहीं बनाये जाने से सामान्य और ओबीसी वर्ग में मायूसी है। हालांकि कि वर्तमान की राजनीति में दिनेश खोड़निया का कद बड़ा है वे सीएम के बहुत करीब है?।

इधर, कांग्रेस का एक गुट ऐसा भी है जिसने दिनेश खोड़निया को रोकने के लिये पूरा जोर लगा दिया था। राजनीति में नया और मात का खेल चलता है लेकिन राज्यसभा के इस प्रकरण से नुकसान कांग्रेस का ही हुआ है।

सत्ता के दो केंद्र बने ?

राज्यसभा प्रकरण के बाद डूंगरपुर में कांग्रेस कैसे चलेगी ये बड़ा सवाल है। डूंगरपुर कांग्रेस अब तक दिनेश खोड़निया के इशारों पर चल रही थी। लेकिन अब उनके गुट के ही गणेश घोघरा खोड़निया के विरोधी बन चुके हैं। खोड़निया पर घोघरा ने न सिर्फ गंभीर आरोप लगाएं है बल्कि राज्य सभा की रेस से भी बाहर करवाया। ऐसे में अब आने वाले दिनों में डूंगरपुर कांग्रेस में टकराव की स्थिति बनी रहेगी।

बीटीपी ने कांग्रेस के सामने रखी शर्त

भारतीय ट्राइबल पार्टी यानी बीटीपी ने पेच फंसा दिया था। बताया जाता है कि बीटीपी ने समर्थन देने के लिए शर्त थी। हालांकि, आधिकारिक तौर पर बीटीपी के नेता बयान देने से बच रहे हैं। बीटीपी किसी आदिवासी को टिकट मिलने पर ही समर्थन देगी।

तो क्या आलाकमान ने गणेश घोघरा की सुनी

जयपुर से दिल्ली तक दिनेश खोड़निया की पकड़ मजबूत मानी जाती है लेकिन राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले बने राजनीतिक घटनाक्रम ने खोड़निया की सारी बिसात को बिगाड़ दिया।गहलोत के करीबी होने की वजह से दिनेश खोड़निया की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष एवं डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा ने दिनेश खोड़निया पर आदिवासी नेताओं में फूट डालने का आरोप लगाते हुए विधानसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा सीएम गहलोत को भेज दिया था। बताया जा रहा है कि घोघरा के विरोध को आलाकमान ने गंभीरता से लिया।

काव्य पाठ में वागड़ के गौरव से लेकर भगवान श्री राम की महिमा का गान

सामाजिक समरसता को लेकर खड़गदा में हुआ काव्यपाठ

खड़गदा। बीती रात को वन विहार वाटिका में सामाजिक समरसता को लेकर काव्यपाठ हुआ। मंच संचालक कवि विपुल विद्रोही ने कहां वर्तमान में लोगों को जागरूक करने की नहीं जागरण की आवश्यकता है। गीतकार विपिन वत्सल की ईश वंदना से कवि सम्मेलन का आगाज हुआ। काव्य पाठ में वागड़ सहित देश प्रदेश की राजनीति पर व्यंग्य किया गया। काव्य पाठ में वागड़ के गौरव से लेकर भगवान श्री राम की महिमा का गान किया गया।सारी दुनिया के बस एक सरकार है... राम, राम तो बसे हैं सदा निशाद के बसेरों में..., इस दौरान प्रेम पर भी कविता पढ़ी गई जिसका जितना दर्द अधिक है वो उतना मीठा गाता है.., मुझे मोहब्बत की व्याकरण पता नहीं...लद्दाख में शहीद हुए सैनिकों की याद में काव्य पाठ कर श्रद्धांजलि दी गई। हल्दी घाटी, महाराणा प्रताप और राजस्थान के शौर्य पर गान किया गया। रीटा परीक्षा को लेकर व्यंग्य करते हुए क्या कहें कैसी ये रीटा है, जो पढे ना वहीं हीट है, रद्द हो गई ये रीपीट है... प्रस्तुत किया। इसके अलावा देश में बढ़ रही महंगाई पर भी चिंता व्यक्त किया। भगवान राम की महिमा का गान करते हुए वहीं अयोध्या के नाथ है और वहीं ये श्रृष्टि चला रहे हैं... गीत प्रस्तुत किया। अंत में वरिष्ठ कवि हरिश आचार्य ने पानी हिंदी और वागड़ी की कविताओं के माध्य से समा बांध दिया। इस दौरान रविन्द्र दी पंड्या को श्रद्धांजलि देते हुए मौन रखा गया। स्वागत रामकथा वाचक कमलेश भाई शास्त्री ने किया। कार्यक्रम में संतों का सम्मान किया गया। इस दौरान विभिन्न जाति समाजों से जुड़ी बालिकाओं का भी सम्मान किया गया। क्षीरेश्वर धाम के महंत हरगोविंद पुरी, कथावाचक प्रदीप शास्त्री, सांसद कनकमल कटारा, एडीएम राजीव द्विवेदी, एसडीएम विजेश पंड्या, जिला प्रमुख सूर्या अहारी, प्रधान जय प्रकाश पारगी, पूर्व विधायक अनिता कटारा, हरिश पाटीदार, यशवन्त पंड्या, मौजूद थे। संचालन उमाकांत व्यास, औदिच्य समाज के अध्यक्ष निरज जोशी और डा. रमेश भट्ट ने किया।

इन्होंने किया काव्य पाठ

राष्ट्र चेतना और वागड़ के समसामयिक विषयों पर विपुल विद्रोही, हरिश आचार्य, विपीन वत्सल, तारकेश दवे, हार्दिक हिन्दूस्तानी, मयूर पंवार, रोहिणी पंड्या, दीपेश पालीवाल, राम पंचाल भारतीय, प्रकृति पंड्या, मेहुल चौबीसा, सुर्यकरण सोनी सरोज, राजेश पंड्या और भुवनेश भारत काव्यपाठ किया।

रात को शराब के नशे में पत्नी को मारने दौड़ा, सुबह पत्नी देखने आई तो दुकान में फंदे लटका मिला पति

आसपुर। डूंगरपुर जिले के दोवडा थाना क्षेत्र के बटिकडा मोड़ पर चाय की दुकान करने वाले 5 बच्चो के पिता ने अपनी दुकान में ही फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रात को शराब के नशे में पति पत्नी को मारने दौड़ा था जिस पर पत्नी अपने बच्चो को लेकर अपने चाचा ससुर के घर आ गई थी। सुबह जाकर देखा तो पति फंदे लटका हुआ था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डूंगरपुर जिले के दोवडा थाने के थानाधिकारी कमलेश चौधरी ने बताया की बटिकडा निवासी हीरालाल पिता वजा ननोमा ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में हीरालाल ने बताया की 35 वर्षीय उसका भतीजा मोहन पिता काना ननोमा निवासी माछ्लिया बटिकडा मोड़ पर पिछले 10 सालो से चाय की दुकान करता है वही अपनी पत्नी व 5 बच्चो के साथ रहता है। बीती रात करीब एक से डेढ़ बजे उसके भतीजे की पत्नी ललिता ननोमा आने पांचो बच्चो को लेकर उसके घर पर आई। ललिता ने अपने चाचा ससुर को बताया की उसका पति मोहन ननोमा शराब के नशे में रात को घर पर आया और उसके पीछे धारिया लेकर मारने दौड़ा। मोहन उससे उसके गाँव माछ्लीया जाने की जिद करने लगा। ललिता ने उसके साथ माछलिया जाने मना कर दिया और अपने बच्चे लेकर वहा से बटिकडा आ गई। वही ललिता अपने बच्चो के साथ पूरी रात अपने चाचा ससुर के घर पर ही रुकी। इधर आज सुबह ललिता अपने बच्चो लेकर वापस बटिकडा मोड़ पर अपने घर गई तो देखा की मोहन घर के अंडर फंदे से लटका हुआ था। जिस पर ललिता चिल्लाई। ललिता के चिल्लाने की आवाज सुनकर लोगो की भीड़ जमा हो गई। वही लोगो ने मामले की सुचना दोवडा थाना पुलिस को दी। सुचना पर दोवडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। वही इसके बाद शव को फंदे नीचे उतारकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में पहुँचाया। जहा पर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द किया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दहेज हत्या के आरोप में 6 जनो के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

सागवाड़ा। बांसवाड़ा जिले के लोहारिया थाना क्षेत्र के सुजाजी का गड़ा निवासी एक महिला की शनिवार को मौत के मामले में पीहर पक्ष के लोगो ने 6 जनो के विरूद्ध दहेज की मांग को लेकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया। सुबह में लोहारिया थाने से सीआई पूरणमल, एएसआई रतनलाल, हेड कांस्टेबल रविंद्र, सरेड़ी चौकी प्रभारी मणिलाल मय जाब्ते के सागवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे।

मंदिर जाने के लिए घर निकला युवक, एक घंटे बाद छोटा भाई ढूंढने निकला तो पेड़ पर फंदे लटका मिला शव

सागवाड़ा। डूंगरपुर जिले के वरदा थाना क्षेत्र के डोजा गांव में एक युवक ने पेड़ से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक 6 दिन पहले मुंबई से आया था। सुबह छोटे भाई को मंदिर दर्शन के लिए कहकर निकला था। एक घंटे बाद जब छोटा भाई ढूंढने निकला तो घर से आधा किमी दूर पेड़ से युवक का शव लटका हुआ था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। डूंगरपुर जिले के वरदा थाने के थानाधिकारी रामेंग पाटीदार ने बताया की डोजा निवासी कांतिलाल रोत ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में कांतिलाल रोत ने बताया की उसका भतीजा 21 वर्षीय मुकेश पिता हमजी रोत मुंबई में एक केंटिन में काम करता है। पिछली 23 मई को मुकेश रोत छुट्टिया लेकर अपने गाँव आया हुआ था। उसके पिता हमजी अहमदाबाद में मजदूरी करते है। आज घर पर मुकेश, उसका छोटा भाई और उसकी मां ही थी। मां सुबह मनरेगा में काम के लिए घर से निकल गई थी। वही घर पर मुकेश व उसका छोटा भाई था। मुकेश अपने छोटे भाई को मंदिर दर्शन करने का कहकर घर से निकल गया था। करीब एक घंटे तक वापस नहीं आने पर मुकेश का छोटा भाई उसे ढूंढने के लिए निकला। इस दौरान घर से आधा किलोमीटर दूर जंगल के पास पेड़ से मुकेश का शव लटका हुआ था। बड़े भाई के शव को लटका हुआ देखकर छोटे भाई के होश उड़ गए। जिस पर छोटे भाई ने अपने चाचा कांतिलाल रोत को मामले की सुचना दी। सुचना पर कांतिलाल रोत व अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वरदा थाना पुलिस को मामले की सूचना दी। सुचना पर वरदा थाने के एएसआई वल्लभ पाटीदार मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने शव को नीचे उतारकर जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुँचाया। जहा पर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वासनिक, सुरजेवाला गहलोत के करीबी, मिला राज्य सभा का टिकट

जयपुर। मुकुल वासनिक राजस्थान कांग्रेस के लंबे समय प्रभारी रह चुके हैं। रणदीप सुरजेवाला राष्ट्रीय महासचिव होने के साथ कांग्रेस कम्युनिकेशन विभाग के हेड हैं। प्रमोद तिवारी UP की रामपुर सीट से 9 बार विधायक रहे, इस बार बेटी को चुनाव लड़वाया। मुकुल वासनिक लंबे वक्त से सीएम गहलोत के करीबी हैं। रणदीप सुरजेवाला भी गहलोत के करीबी हैं। सियासी संकट के वक्त हुई बाड़ेबंदी में सुरजेवाला पूरे समय साथ रहे और मोर्चा संभाला था। राज्यसभा में कांग्रेस के 3 सांसद पहले से हैं और 3 सीट पर जीत लगभग तय है। अब राज्यसभा में कांग्रेस के 6 सांसद हो जाएंगे, लेकिन राजस्थान से केवल नीरज डांगी ही है, बाकी सभी बाहरी हैं।

चार दिन पहले अहमदाबाद से घर लौटा, आज घर में फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

डूंगरपुर। जिले के सदर थाना क्षेत्र के भाटपुर गांव में एक युवक ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। अहमदाबाद में चालक का काम करने वाला मृतक युवक चार दिन पहले ही अहमदाबाद से अपने घर आया था। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डूंगरपुर जिले के सदर थाने के थानाधिकारी हजारीलाल मीणा ने बताया की भाटपुर निवासी होमा कटारा पिता मरता कटारा ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में होमा कटारा ने बताया की उसका बड़ा बेटा 19 वर्षीय सुनील कटारा अहमदाबाद में चालक का काम करता है। चार दिन पहले ही छुट्टिया लेकर सुनील कटारा अपने गाँव भाटपुरा आया था। सुनील के पिता होमा ने बताया की सुनील बचपन से ही गाँव में उसके ताऊ जी रूपा के घर पर ही रहता आया है। होमा ने रिपोर्ट में बताया की कल रात को 10 बजे सुनील घर आया और कहा की वह अपने ताऊ जी के घर पर सोने जा रहा है। इसके बाद वह अपने ताउजी के घर सोने चला गया। वही सुबह होमा के बड़े भाई की लड़की दीपिका उठी और घर के अन्दर जाकर देखा तो सुनील का शव चुनरी के फंदे से लटका हुआ था। भाई को फंदे से लटका देख दीपिका के होश हो उड़ गए। दीपिका दौड़ी-दौड़ी सुनील के पिता होमा के पास आई और सुनील द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात बताई। जिस पर सुनील के पिता होमा अपने बड़े भाई के घर पहुंचे और घटना की जानकारी सरपंच व सदर थाना पुलिस को दी।

सुचना पर सदर थाने से हैड कांस्टेबल गजराज सिंह मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इधर मौके पर आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव को परिजनों की मदद से फंदे से उतारा और जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुँचाया।

राजस्थान के खिलाड़ियों को मिलेंगे 'राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड'

खेलों में अग्रणी बन रहा है राजस्थान: गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार खेलों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं का विकास कर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन व सम्मान देने और खेल मैदानों के सुदृढ़ीकरण में कोई कमी नहीं रख रही है। राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ खेलों के विकास के लिए बड़े फैसले ले रही हैं। पूरा विश्वास है कि देश में राजस्थान खेलों में अग्रणी बन रहा है। उन्होंने कहा कि खेल हमेशा दूरदृष्टि और पक्के इरादे के साथ खेले जाते हैं, उसी तरह राज्य सरकार भी खेलों के प्रोत्साहन में दूरदृष्टि के साथ फैसले ली रही हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को विश्वास दिलाया कि पदक विजेताओं के लिए प्रोत्साहन राशि में लगातार बढ़ोतरी होती रहेगी। उन्होंने राजस्थान में खिलाड़ियों के लिए राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड दिए जाने की घोषणा की। गहलोत रविवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में लोकार्पण एवं खिलाड़ी सम्मान समारोह का संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स एंड रिहेबिलिटेशन सेंटर, नवीनीकृत सिंथेटिक हॉकी एस्ट्रो टर्फ और बैडमिंटन इंडोर हॉल का लोकार्पण करने के साथ ओलंपिक और पैरा ओलंपिक में राजस्थान के पदक विजेताओं, एशियन गेम्स-2022 और कॉमनवैल्थ गेम्स-2022 में क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। गहलोत ने पदक विजेता खिलाड़ियों को दी जाने वाली अनुदान राशि के लिए ऑनलाइन पोर्टल को भी लॉन्च किया। समारोह में अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों ने संवाद करते मुख्यमंत्री को खिलाड़ी हितों में लिए गए फैसलों के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व के वर्षों में चिंता रहती थी कि भारत कई छोटे देशों की तुलना में पदक नहीं जीत पा रहा है, लेकिन अब ओलंपिक व पैरा ओलंपिक में राजस्थान लीड ले रहा हैं। खिलाड़ियों के हितों में राज्य सरकार द्वारा लिए गए फैसलें सार्थक हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार में जब खेल मंत्री था, तब इच्छा थी कि खेलों को किस प्रकार आगे बढ़ाएं। वहीं इच्छा अब पूरी कर रहा हूं। अब राजस्थान में खेलों का माहौल बदल रहा है।